PRINCE ACADEMY
OF HIGHER EDUCATION
[Co-edu. Sr. Sec. School, Affiliated to CBSE, Affiliation No. - 1730387]

Palwas Road, Near Jaipur - Bikaner Bypass Crossing, SIKAR - 332001 (Raj.) INDIA
Mob. : 9610-75-2222, 9610-76-2222
www.princeeduhub.com | E-mail : princeacademy31@gmail.com

SAMPLE PAPER

CLASS - X

HINDI COURSE A - 002

Time : 03 Hours **M. M. : 80**

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए।

1. इस प्रश्न पत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. इस प्रश्न पत्र में कुल चार खंड हैं– क, ख, ग, घ।
3. खंड–क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 हैं।
4. खंड–ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उप प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।
5. खंड–ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 21 हैं।
6. खंड–घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
7. प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

खंड क – अपठित बोध

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। कोई भी व्यक्ति अकेला नहीं रह सकता, क्योंकि अकेला रहना एक बहुत बड़ी साधना है। जो लोग समाज या परिवार में रहते हैं. वे इसलिए रहते हैं, क्योंकि उन्हें एक–दूसरे की आवश्यकता होती है। परिवार का अर्थ ही है–माता–पिता, दादा–दादी, चाचा–चाची, भाई–बहन का समूह। इन्हीं से परिवार बनता है और कई परिवारों के मेल से समाज बनता है। व्यक्ति से परिवार, परिवार से समाज, समाज से शहर, राज्य और राष्ट्र बनते हैं। इसीलिए जो भी व्यक्ति समाज में रहता है यह एक–दूसरे से जुड़ा रहता है। मित्रता, मनुष्य के जीवन की एक अद्भुत उपलब्धि है इसीलिए मनुष्य को समाज के लिए उपयोगी बनाना पड़ता है। ईसा ने कहा है, ''जो तुममें सबसे बड़ा होगा, वह तुम्हारा सेवक होगा।'' समाज की प्रवृत्ति ऐसी है कि यदि आप दूसरों के काम आएँगे, तो समय पड़ने पर दूसरे भी आपका साथ देंगे। अतः लोकसेवा से मनुष्य की यश पाने की आकांक्षा की भी पूर्ति हो जाती है। लोकसेवा के अनेक रूप हैं; जैसे– देश–सेवा, साहित्य सेवा आदि। कोई भी रचनात्मक कार्य, जिससे सार्वजनिक हित हो, वह परोपकार है। रोग, मृत्यु, शोक, बाढ़, भूकंप, संकट, दरिद्रता, महामारी, उपद्रव आदि में कदम–कदम पर सहानुभूति दर्शाने के अवसर विद्यमान हैं। सहानुभूति और परोपकार का अर्थ केवल दधीचि और गांधी जैसा बलिदान ही नहीं, बल्कि दयालुता के छोटे–छोटे कार्य, मृदुता का व्यवहार, पड़ोसियों का सहायक बनने की चेष्टा, दूसरों की भावनाओं को ठेस न पहुँचाना, दूसरों की दुर्बलताओं के प्रति उदार होना, किसी को निर्धन न मानना आदि भी सहानुभूति से जुड़े परोपकार के ही लक्षण है।

(i) गद्यांश के आधार पर लोकसेवा का कौन–सा रूप है? 1

(अ) देश की सेवा (ब) साहित्य की सेवा (स) (अ) और (ब) दोनों (द) सार्वजनिक हित

(ii) निम्नलिखित कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए समाज में कोई भी व्यक्ति अकेला नहीं रह सकता, क्योंकि 1

(क) मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। (ख) अकेला रहना बहुत बड़ी साधना है।

(ग) अकेला मनुष्य भयभीत रहता है। (घ) अकेला रहना असंभव कार्य है।

(अ) केवल 1 सही है (ब) 1 और 2 सही हैं (स) 2 और 3 सही हैं (द) 3 और 4 सही हैं

(iii) दिए गए कथनों को पढ़कर उपयुक्त कथन चुनिए– 1

कथन (A) : अपने पड़ोसी के साथ मृदुल व विनम्र व्यवहार करना भी परोपकार है।

कारण (R) : सहानुभूति से जुड़ा व्यवहार भी परोपकार का ही लक्षण है।

(अ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ब) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(स) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।

(द) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(iv) 'लोकसेवा से यश पाने की आकांक्षा की पूर्ति भी हो जाती है।' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(v) प्रस्तुत गद्यांश में प्रमुख अंतर्निहित मूलभाव क्या है? 2

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

थूके, मुझ पर त्रैलोक्य भले ही थूके,
जो कोई जो कह सके, कहे, क्यों चूके
छीने न मातृपद किंतु भरत का मुझसे,
रे राम, दुहाई करूं और क्या तुझसे?
कहते आते थे यही अभी नरदेही.
'माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही।'
अब कहें सभी यह हाय! विरुद्ध विधाता–
'है पुत्र–पुत्र ही, रहे कुमाता माता।'
बस मैंने इसका बाह्य मात्र ही देखा,
दृढ़ हृदय न देखा, मृदुल गात्र ही देखा।
परमार्थ न देखा, पूर्ण स्वार्थ ही साधा,
इस कारण ही तो हाय आज यह बाधा
युग–युग तक चलती रहे कठोर कहानी–
'रघुकुल में भी थी एक अभागिन रानी।'
निज जन्म–जन्म में सुने जीव यह मेरा–
'धिक्कार। उसे था महा स्वार्थ ने घेरा'!
''सौ बार धन्य वह एक लाल की माई,
जिस जननी ने है जना भरत–सा भाई''

पागल–सी प्रभु के साथ सभा चिल्लाई–

''सौ बार धन्य वह एक लाल की माई''!

(i) प्रस्तुत काव्यांश के मूल में क्या है? 1

(अ) राम के वन आगमन पर कैकेयी की प्रसन्नता (ब) भरत का राज तिलक

(स) कैकेयी का पश्चाताप (द) राम का वन आगमन

(ii) परमार्थ न देखा, पूर्ण स्वार्थ ही साधा का अर्थ है 1

(अ) अपना स्वार्थ न देखा और दूसरों का भला सोचा (ब) परमार्थ के लिए अपना स्वार्थ छोड़ दिया

(स) अपना ही स्वार्थ देखा और दूसरों का भला न सोचा (द) स्वार्थ के लिए परमार्थ को अपना लिया

(iii) कैकेयी का पश्चाताप सिखाता है कि 1

(1) अपने सुख के लिए दूसरों को दुःख न दें। (2) भरत जैसे पुत्र मुश्किल से ही पैदा होते हैं।

(3) स्वार्थ की भावना कभी फलीभूत नहीं होती। (4) स्वार्थ की भावना को सर्वोपरि रखना चाहिए।

कूट

(अ) 1 और 2 सही हैं।

(ब) 1 और 3 सही हैं।

(स) 1, 2 और 3 सही हैं।

(द) 3 और 4 सही हैं।

(iv) 'माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही' से क्या आशय है? 2

(v) प्रस्तुत काव्यांश का केंद्रीय भाव लिखिए। 2

खंड – ख (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किंहीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $4 \times 1 = 4$

(i) पिता के ठीक विपरीत जो थी वह हमारी बेपढ़ी–लिखी माँ थी। सरल वाक्य में परिवर्तित कीजिए।

(ii) मैंने एक बहुत गोरे व्यक्ति को देखा।' मिश्र वाक्य में परिवर्तित कीजिए।

(iii) पानी की ओर देखकर सभी डर गए। संयुक्त वाक्य में परिवर्तित कीजिए।

(iv) 'शहर में बाढ़ आई और तबाही मच गई।' रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए।

(v) सीमा इसलिए विद्यालय नहीं गई, क्योंकि वह बीमार है। रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए।

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किंहीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $4 \times 1 = 4$

(i) 'सारे संसार द्वारा निस्तब्धता में सोया जा रहा है।' वाच्य का प्रकार बताइए।

(ii) 'राधा द्वारा बच्चों को भोजन दिया गया।' इसे कर्तृवाच्य में बदलिए।

(iii) 'उससे चुपचाप नहीं बैठा जाता।' वाच्य का प्रकार बताइए।

(iv) 'प्रिंसिपल ने पिताजी को स्कूल में बुलाया।' कर्मवाच्य में बदलिए।

(v) 'राजा खेल नहीं सकता।' इसे भाववाच्य में बदलिए।

5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किंहीं चार प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद–परिचय लिखिए – $4 \times 1 = 4$

(i) तुम हमारी <u>बुराई</u> कर रहे थे।

(ii) <u>रजनी</u> मधुर गीत गाती है।

(iii) निरंतर कार्य करने से ही सफलता <u>मिलती है।</u>

(iv) अनुमान <u>के प्रतिकूल</u> डिब्बा निर्जन नहीं था।

(v) <u>कोई</u> तुम्हें पूछ रहा है। <u>कोई</u> लड़का उठकर चला गया।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किहीं चार प्रश्नों में अलंकार पहचान कर लिखिए – $4 \times 1 = 4$

(i) ''तब तो बहता समय शिला–सा जम जाएगा।''

प्रस्तुत काव्य पंक्ति में कौन–सा अलंकार है?

(ii) ''सोहत ओढे पीत पट, श्याम सलौने गात।

मनो नीलमणि सैल पर, आतप परयौ प्रभात।''

उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में कौन–सा अलंकार है?

(iii) ''भूप सहस दस एकहिं बारा। लगे उठावन टरत न टारा'' पंक्ति में कौन–सा अलंकार है?

(iv) ''मेघ आए बड़े बन–ठन के सँवर के'' पंक्ति में कौन–सा अलंकार है?

(v) रामनाम मनि–दीप धरू जीह देहरी द्वार। प्रस्तुत पंक्ति में कौन–सा अलंकार है?

<u>खंड – ग (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)</u>

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– $5 \times 1 = 5$

एक संस्कृत व्यक्ति किसी नई चीज की खोज करता है, किंतु उसकी संतान को वह अपने पूर्वजों से अनायास ही प्राप्त हो जाती है। जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया, वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है और उसकी संतान, जिसे अपने पूर्वज से वह वस्तु अनायास ही प्राप्त हो गई है, वह अपने पूर्वज की भाँति सभ्य भले ही बन जाए, संस्कृत नहीं कहला सकता।

एक आधुनिक उदाहरण लें। न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया। वह संस्कृत मानव था। आज के युग का भौतिक विज्ञान का विद्यार्थी न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण से तो परिचित है ही; लेकिन उसके साथ उसे और भी अनेक बातों का ज्ञान प्राप्त है, जिनसे शायद न्यूटन अपरिचित ही रहा। ऐसा होने पर हम आज के भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी को न्यूटन की अपेक्षा अधिक सभ्य भले ही कह सके; परंतु न्यूटन जितना संस्कृत नहीं कह सकते।

(i) संस्कृत व्यक्ति की उपलब्धि क्या है?

(अ) अनायास ही वस्तु प्राप्त हो जाना (ब) पूर्वजों द्वारा अपरिचित होना

(स) अपने विवेक से नई चीज की खोज करना (द) ये सभी

(ii) संस्कृत व्यक्ति की संतान संस्कृत क्यों नहीं कहला सकती क्योंकि .....

(1) उसने नए तथ्य की खोज करने में सहायता की है।

(2) उसे अपने पूर्वजों से वस्तु अनायास ही प्राप्त हुई है।

(3) वह आविष्कार करने के तथ्यों से परिचित है।

(4) उसने अपने विवेक का प्रयोग किया है।

कूट :–

(अ) कथन 1 सही है। (ब) कथन 2 सही है।

(स) कथन 3 और 4 सही हैं। (द) कथन 1 और 2 सही है।

(iii) न्यूटन को संस्कृत मानव किस प्रकार कहा जा सकता है?

(अ) न्यूटन भौतिक विज्ञान का आविष्कारक है। (ब) न्यूटन अनेक बातों से सहमत था।

(स) न्यूटन ने सभ्य बनने के लिए अनेक प्रयोग किए। (द) न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत का आविष्कार किया।

(iv) **दिए गए कथनों को पढ़कर उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए :–**

कथन (A) : आज के भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी को सभ्य कह सकते हैं।

कारण (R) : उन्होंने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया।

(अ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ब) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है, परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(स) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।

(द) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(v) न्यूटन अनेक बातों से अपरिचित क्यों रहा?

(अ) क्योंकि उसे बाद की अनेक बातों का ज्ञान नहीं था।

(ब) क्योंकि उसे सिद्धांतों की जानकारी नहीं थी।

(स) क्योंकि वह नियमों का ज्ञाता नहीं था।

(द) क्योकि उसे संस्कृति की पहचान थी।

8. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किंहीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए– $3 \times 2 = 6$

(i) बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है? आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं? अपने विचार लिखिए।

(ii) बालगोबिन भगत प्रचलित सामाजिक मान्यताओं को नहीं मानते थे। पाठ के आधार पर अपने तर्क प्रस्तुत कीजिए।

(iii) बिस्मिल्ला खाँ का क्या दुःख–दर्द था? 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर लेखिका की माँ के स्वभाव को स्पष्ट कीजिए।

9. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– $5 \times 1 = 5$

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारू सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।
बधें पापु अपकीरति हारें। मारतहू पा परिअ तुम्हारें।
कोटि कुलिस सम बचन तुम्हारा। ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा ।।
जो बिलोकि अनुचित कहेउँ छमहु महामुनि धीर।
सुनि सरोष भृगुबंसमनि बोले गिरा गंभीर।।

(i) 'चहत उड़ावन फूँकि पहारु' पंक्ति का आशय है सही विकल्प का चयन कीजिए।

(1) फूँककर पहाड़ उड़ाना चाहते हैं। (2) फूँक से पहाड़ उड़ाना चाहते हैं।

(3) कुठार को फूँक मारकर उड़ाना चाहते हैं। (4) बाण को फूँक से उड़ाना चाहते हैं।

कूट :–

(अ) कथन 1 सही है। (ब) कथन 1 और 2 सही है। (स) कथन 2 सही है। (द) कथन 3 और 4 सही है।

(ii) लक्ष्मण जी ने फरसा दिखाने पर परशुराम जी को क्या कहा?

(अ) आप हमारी तुलना स्वयं से न कीजिए (ब) यहाँ कोई कुम्हड़े के छोटे फल के समान नहीं है

(स) हम आपकी इन धमकियों से नहीं डरने वाले (द) आप अधिक क्रोध न कीजिए

(iii) दिए गए कथनों को पढ़कर उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए :–

कथन (A) : लक्ष्मण जी परशुराम के वचनों से अपने क्रोध को सहन कर रहे थे।

कारण (R) : परशुराम जी जनेऊधारी थे।

(अ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ब) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है, परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(स) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।

(द) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(iv) काव्यांश के अनुसार रघुकुल की मर्यादा है –

(अ) देवता, ब्राह्मण, हरिभक्त व गाय की रक्षा करना

(ब) लोगो पर अत्याचार करना

(स) स्त्री का सम्मान नहीं करना

(द) बड़े–बुजुर्गों का सम्मान नहीं करना

(v) परशुराम के वचनों की क्या विशेषता है सही विकल्प का चयन कीजिए।

(1) वे अत्यंत मृदु वचन बोलते हैं

(2) वे अत्यंत कटु वचन बोलते है

(3) वे व्यर्थ वचनों का संभाषण करते हैं

(4) वे करोड़ों वज्रों के समान कठोर वचन बोलते हैं

कूट :–

(अ) कथन 1 सही है।

(ब) कथन 3 और 4 सही हैं।

(स) कथन 1 और 2 सही हैं।

(द) कथन 4 सही है।

10. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किंहीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए – $3 \times 2 = 6$

(i) 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर बताइए कि फागुन (फाल्गुन) मास के आने से पेड़ों की डालियों के स्वरूप में क्या परिवर्तन दिखाई देता है?

(ii) सूरदास द्वारा प्रस्तुत पदों के आधार पर गोपियों का योग–साधना के प्रति दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए।

(iii) संगतकार की आवाज में दिखाई देने वाली हिचक क्या प्रदर्शित करती है?

(iv) यदि बच्चे की माँ उसका परिचय कवि से नहीं कराती, तो क्या होता? 'यह दंतुरित मुसकान' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

11. पूरक पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किंहीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए– $2 \times 4 = 8$

(i) 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर बताइए कि बच्चा माता के द्वारा अधिक सजाया–संवारा जा सकता है या पिता के द्वारा? उदाहरण सहित यह भी बताइए कि भोलानाथ के खाने तथा खेलने हेतु जाने के प्रसंगों से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

(ii) एक गाइड की विशेषताएँ बताते हुए जितेन नार्गे की भूमिका को 'साना–साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(iii) कृतिकार की ईमानदारी से आप क्या समझते हैं? 'मैं क्यों लिखता हूँ' के लेखक ने इस ईमानदारी के समक्ष किस तरह की लेखकीय विवशताओं का उल्लेख किया है?

खंड – घ (रचनात्मक लेखन)

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए– $1 \times 6 = 6$

(i) प्राकृतिक आपदाएँ

संकेत बिंदु :

- भूमिका
- प्राकृतिक आपदाओं के दुष्प्रभाव
- प्राकृतिक आपदाओं के कारण
- बचाव के उपाय

(ii) दूरदर्शन का समाज पर प्रभाव

संकेत बिंदु :

- भूमिका
- समाज पर दूरदर्शन का प्रभाव
- दूरदर्शन के लाभ और उपयोगिता
- दूरदर्शन की कमियाँ

(iii) साँच को आँच नहीं

संकेत बिंदु :

- भूमिका
- सत्य बोलने का महत्त्व
- सत्य बोलने वालों के उदाहरण
- सत्य न बोलने का परिणाम

13. आप स्वाति गांधी/अनूप गांधी हैं। समाचार पत्रों में विज्ञापनों की भरमार को कम करने और समसामयिक विषयों पर लेखन की आवश्यकता को दर्शाते हुए दैनिक जागरण समाचार–पत्र के संपादक को अनुरोध करते हुए 100 शब्दों में पत्र लिखिए। $1 \times 5 = 5$

अथवा

(ख) आपका नाम राज सिंह/राधा राजपूत हैं। आप अपने विद्यालय के छात्र–छात्राओं के साथ समाजसेवा के लिए जाना चाहते हो। इस कार्य हेतु अनुमति माँगते हुए अपने पिता को 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

14. **(क)** आपका नाम आशीष शर्मा/आशा शर्मा है। आपने अर्थशास्त्र विषय में परास्नातक (पोस्ट ग्रेजुएट) की डिग्री प्राप्त की है तथा राजस्थान सरकार को सांख्यिकी अधिकारी के पद के लिए आवेदन भेजना चाहते हैं। संक्षिप्त स्ववृत्त (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। $1 \times 5 = 5$

अथवा

(ख) बेसिक शिक्षा अधिकारी (बी.एस.ए.) को 80 शब्दों में एक ई–मेल लिखिए, जिसमें आपकी दसवीं की मार्कशीट में आपके नाम की मिसप्रिंट की शिकायत की गई हो।

15 **(क)** किसी पुस्तक भंडार पर उपलब्ध विभिन्न पुस्तकें व अन्य स्टेशनरी सामान की बिक्री बढ़ाने के लिए लगभग 40 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए। $1 \times 4 = 4$

अथवा

(ख) आप मनीष प्रजापत/मनीषा प्रजापत हैं। आपके छोटे भाई ने एक नया घर खरीदा है, जिसकी बधाई स्वरूप एक संदेश 40 शब्दों में लिखिए।

* * * * *

PRINCE ACADEMY